<वॆणकठवना भभाभभिन

f किन्ग कणि~ - भाविभ <ढिभकना

www.aradhanam.org

<वॆ पाक ए व ना ऋभामभाभिरु व ४ ढि न ना भ्रिरु मैधिरु
भ्र ४ पाग न्रु काकि रु घनि रुा किरु<घ
रुपागरुा भाविभ <ढि भकनि रुा किरु<घ
रुपागरुा भाविभ <ढि भकनिरु

ऋपापृरुाकि ४ ना वभामभिरु ऋभामरुा क ारु मलावभिरु
पि ४ भ्रुग ना पि ४ घनि रुा किरु<घ
रुपागरुा भाविभ <ढि भकनि रुा किरु<घ
रुपागरुा भाविभ <ढि भकनिरु

<वॆ ढ पागिरुला भ्रु ४ वि रु वै ४ गाघ मलावभिरु
४ भा न्रु ङ ना ढ भनि रुा किरु<घ
रुपागरुा भाविभ <ढि भकनि रुा किरु<घ
रुपागरुा भाविभ <ढि भकनिरु

कि वगिरु ला भपागभिरु कलै ग लृ काकु रुलालैधिरु
कि लधि न ना किरु ढनि रुा किरु<घ
रुपागरुा भाविभ <ढि भकनि रुा किरु<घ
रुपागरुा भाविभ <ढि भकनिरु

<कि ट्टि घ व न्श म्र ना। व नि न् प।ण्ड्र कि घ ना ऊँ ण्न्नि न्
भि ण्ण घ ना भक्ति पर्व घि न्श कि न्श<घ
न्न ए।ग न्श भ।वि भ <ट्टि भ क नि न्श कि न्श<घ
न्न ए।ग न्श भ।वि भ <ट्टि भ क नि न्

ड्ड प।ण्ड्र ला ड ना।ट ट्टि घ। व भि न् ड्ड घ न् कि। ड मै ला। व वि न्
भि घ ना।ट्टि घ ला म्र भ ण।ना।टि वि न्श कि न्श<घ
न्न ए।ग न्श भ।वि भ <ट्टि भ क नि न्श कि न्श<घ
न्न ए।ग न्श भ।वि भ <ट्टि भ क नि न्

भ।णी भ।वि भ <ट्टि भ क नी ड ण्ड्र वि न् ग<ले म ण ण्ण भ।